पावन जीवन चरित्र

श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज जी का जीवन चरित्र

SGD

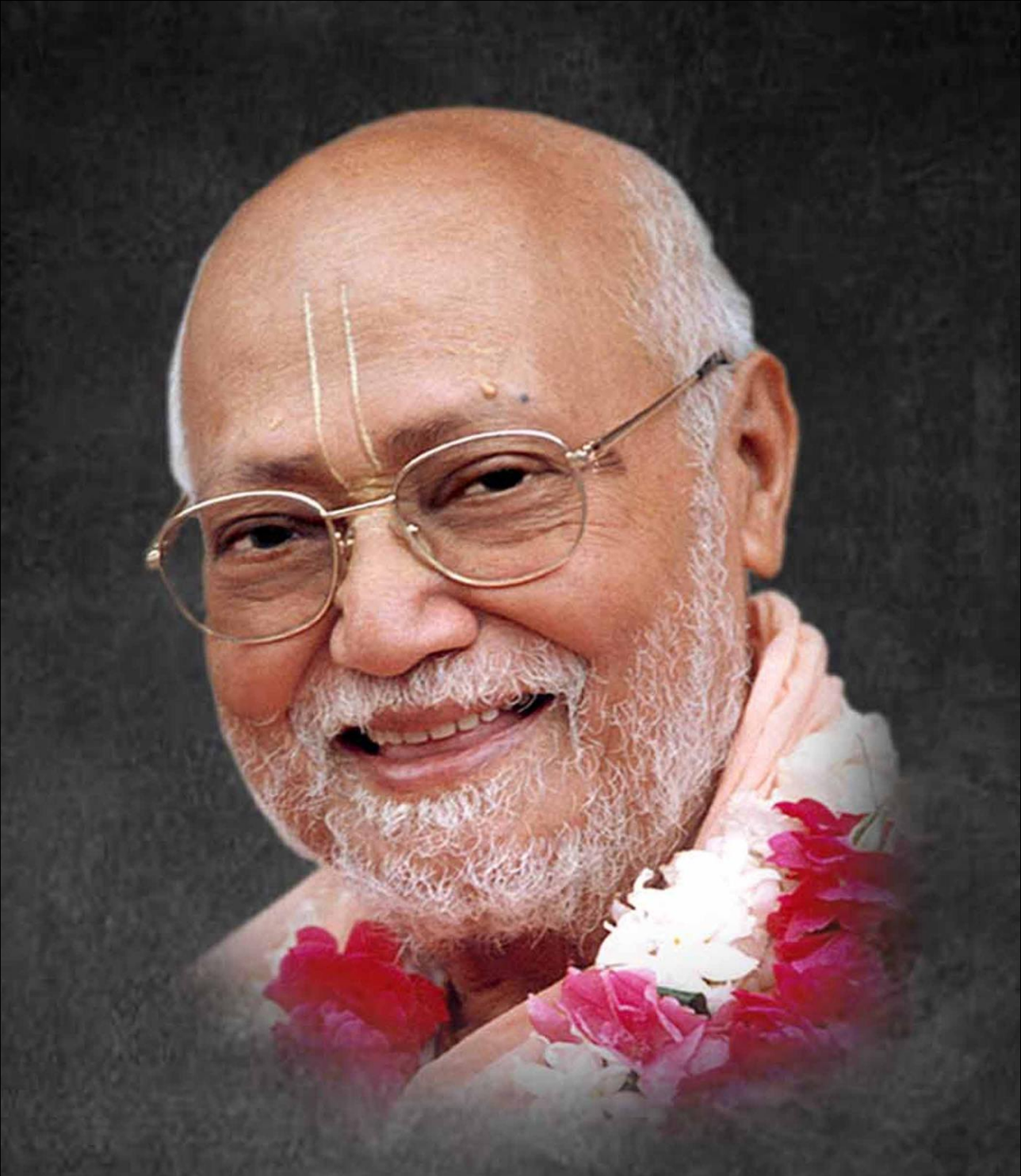

निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

SGD

तृतीय खण्ड

भाग – 1

दक्षिण कोलकाता के देशप्रिय पार्क में श्रील गुरुदेव जी का प्रवचन

चण्डीगढ़ श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ के वार्षिक उत्सव में श्रील गुरुदेव

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद जी के शत वार्षिकी अनुष्ठान के दौरान भी श्रील गुरुदेव जी ने भारत के विभिन्न स्थानों के निमन्त्रण स्वीकार कर श्रील प्रभुपाद जी द्वारा आचरित और प्रचारित भक्ति सिद्धान्त वाणी का प्रचार किया। 20 मार्च 1973 को श्रीगौरांग महाप्रभु जी की आविर्भाव तिथि पूजा के उपलक्ष्य में दक्षिण कोलकाता के देशप्रिय पार्क में एक

विराट् धर्मसभा हुई जिसमें श्रीचैतन्य महाप्रभु जी के अवदान-वैशिष्ट्य के सम्बन्ध में श्रील गुरुदेव जी का सारगर्भित प्रवचन सुनकर एकत्रित अगणित नर नारी अत्यन्त प्रभावित हुये।

चण्डीगढ़ श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ के वार्षिक उत्सव में श्रील गुरुदेव

पंजाब और हरियाणा की राजधानी चण्डीगढ़ के श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ के तीसरे वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में 5 अप्रैल 1973 वृहस्पतिवार से 9 अप्रैल सोमवार

तक एक पाँच दिवसीय धर्मानुष्ठान का आयोजन हुआ जिसमें श्रील गुरुदेव जी के गुरुभाई संन्यासियों में से पूज्यपाद त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद्भक्ति कुमुद सन्त महाराज जी और पूज्यपाद त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद्भक्ति सौध आश्रम महाराज जी इस अनुष्ठान में सम्मिलित हुए थे। इसके अतिरिक्त कोलकाता के विशिष्ट नागरिक, पश्चिम बंगाल की सरकार से अवकाश प्राप्त आई. जी. पी., श्रीउपानन्द मुखोपाध्याय अपनी पत्नी सहित श्रील गुरुदेव जी के साथ जाकर चण्डीगढ़ मठ के वार्षिक अनुष्ठान में उपस्थित हुये

थे। चण्डीगढ़ मठ का परिवेश और सौन्दर्य देखकर श्रीउपानन्द मुखोपाध्याय बड़े प्रसन्न हुए। कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमन्त्री, श्रीप्रफुल्ल चन्द्र घोष भी जब चण्डीगढ़ मठ में आये तो वे भी वहाँ का सुन्दर परिवेश देखकर प्रसन्न हुये थे। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के माननीय न्यायाधीश, श्री एम. आर. शर्मा, श्रीशम्भुलाल पुरी, एडवोकेट, हरियाणा विधानसभा के स्पीकर श्रीबनारसी दास गुप्ता, चण्डीगढ़ केन्द्रीय प्रदेश के डिप्टी कमिश्नर, श्री जे.डी. गुप्ता, आई. ए. एस., पंजाब

विश्वविद्यालय की प्राचीन भारतीय संस्कृति विभाग के अध्यक्ष, डा. वी.सी. पाण्डे, एडवोकेट, श्रीरामलाल अग्रवाल और पंजाब विश्वविद्यालय के डा. जगदीश शरण शर्मा सभापति और प्रधान अतिथि के रूप में उपस्थित हुये थे । विभिन्न वक्तव्य विषयों पर श्रील गुरुदेव जी का दिव्य ज्ञान से भरा भाषण सुनकर सभापति, प्रधान अतिथि और श्रोता सभी अत्यन्त प्रभावित हुये। सभा में जिन्होंने भाषण दिया वे हैंपूज्यपाद त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति कुमुद सन्त महाराज जी, पूज्यपाद त्रिदण्डि

स्वामी श्रीमद् भक्ति सौध आश्रम महाराज जी, त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति विज्ञान भारती महाराज जी और रिटायर्ड आई.जी.पी., श्री उपानन्द मुखोपाध्याय । 8 अप्रैल रविवार के दिन श्रीमठ के अधिष्ठातृ-श्रीविग्रहों को रथ पर विराजमान किया गया तथा संकीर्त्तन शोभा यात्रा के साथ दोपहर 3.30 बजे श्रीमठ से चलकर 20, 21, 22, 23,17, 18, 19, एवं 30 सैक्टरों में से परिक्रमा निकाली गई। संकीर्त्तन में पूज्यपाद ठाकुरदास ब्रह्मचारी प्रभु के

मतवाला कर देने वाले संकीर्त्तन ने भक्तों के उल्लास को बहुत बढ़ाया।

श्रीलगुरुदेव